

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI K BRAHMANANDA REDDY: I introduce the Bill.

जनता मार्च हुआ था, उस भाग को वृत्त-चित्र में से बाहर निकाल दिया जाय। मैं उस पत्र को पढ़ कर सुनाता हूँ—

Ministry of Information and Broadcasting
Films Division, Nagpur

12.19½ hrs.

MATTER UNDER RULE 377

DELETION OF "PEOPLE'S MARCH" TO
PARLIAMENT OF FROM INDIAN NEWS
REVIEW

MR SPEAKER. Now we take up the next item—Dr. Laxmi Narayan Pandeya.

SHRI PHOOL CHAND VERMA
(Ujain)

MR SPEAKER: I am not calling you Unless regular permission is given, you cannot get up

Dr Pandeya

डा० लक्ष्मी नारायण पाण्डेय
(मदसीर) अध्यक्ष जी, सरकार द्वारा
भाक शवाणी और टेलीविजन तथा वृत्त
चित्रों का अपने हित में निरन्तर उपयोग
किया जा रहा है, एक तरह से वतीय हित का
साधन बनाया जा रहा है। इसी लिए
बहुत समय से मांग की जाती रही है कि
आकाशवाणी तथा टेलीविजन जैसे केन्द्रों को
पब्लिक कारपोरेशन में बदल दिया जाय।
हाल ही की घटना है, जिससे सरकार का
धम्बर का हरावा और दुर्भाव स्पष्ट होता है
कि किस तरह से वह अपने हित में उपयोग
कर रही है। फिल्मज डिवीजन के नाथपुर
कार्यालय से एक पत्र निकला है जिसमें कहा
गया है कि अभी हाल में 6 मार्च को जो

No N B/H&RT/75

Nagpur dated 2nd April 1975

To Ms Talkies

Sub Deletion of Item No 2 News
in brief covering 'March to
Parliament' (measuring 2255
mtrs) from INR 1378

Dear Sir,

The film INR 1378 has been supplied
for your exhibition in the week in 13/
16-4 1975

Immediately on receipt of this letter
you are requested to delete the above
item from the Newsreel and send us
the deleted portion by Registered
post/parcel Please treat this as most
important and very urgent

The remaining portion of INR 1378
should be routed to the next exhibi-
tion on the date as per standing
routine instructions.

We once again advise you to do the
needful per return of post

Sd/ Branch Manager
Films Division,
Nagpur.

[श्री ० लक्ष्मी नारायण वाघडेय]

अध्यक्ष महोदय, मैंने इस वृत्त चित्र का स्वयं देखा है जिस में वह भाग शामिल था। इस में जय प्रकाश जी के नेतृत्व में हुए 6 मार्च का प्रदर्शन था तथा वहाँ भाग का जो ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा हमारे उपराष्ट्रपति श्री जत्ती को जो ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा जनसमुच्चय को चलते हुए दिखाया गया था -- इस सब को उसमें से निकाल दिया गया है। मुझे स्मरण है अध्यक्ष जी, जब कांग्रेस की रेली हुई थी तो उस का बड़ा लम्बा चौड़ा वृत्त चित्र बनाया गया था, उस को दिखाने में सरकार को कोई एतराज नहीं था लेकिन जनता की भावनाओं को प्रदर्शित करने वाले उस भाग को दिखाने में सरकार को एतराज है, केवल उसी भाग को निकाल कर शेष भाग उम में रहने दिया गया है।

इस लिये मैं माननीय मंत्री जी से चाहूँगा कि वे इसके बारे में खेद प्रकट करें और इस का स्पष्टीकरण करे कि इस प्रकार के जनता की भावनाओं को प्रकट करने वाले प्रदर्शन को उस वृत्त चित्र से क्यों निकाला गया और जो भाग उम में से निकाला गया है उस को फिर से जोड़ा जाय।

यहाँ पर बार बार माँग की जाती है कि आकाशवाणी धीरे-धीरे टेलेविजन आदि को पब्लिक कारपोरेशन में बदला जाय। चन्दा कमिटी ने भी इसके बारे में सिफारिश की थी, मैं चाहता हूँ कि सरकार तुरन्त इस पर विचार कर के कार्रवाई करे।

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI I. K. GUJRAL): Mr. Speaker, Sir, for over a year I have been concerned about induction of freshness of news in our newsreels. Our difficulty is as follows:

Because of the vast spread of this country and the difficulties of transport of newsreel material by air from all centres it takes us about a week to assemble the material and to release it so that a number of hard news items which feature in the newsreel are already a week old on the date on which they are released. The newsreel then starts circulating in the country and even though we make over a 100 copies of each edition of the newsreel, a particular newsreel completes its full run in the country in about 5 months. But that time, the news element in it is already stale and many of the items have lost their topicality. I therefore, had a meeting in the Films Division in Bombay some time back and advised the Newsreel Section of the Films Division to get away from hard news in newsreels and concentrate on coverage of magazine value. This meant that we should stop competing with newspapers, radio or television and cover development items in depth which would not be outdated during the entire period of five months of its run. Early this month the Films Division were reminded again of the earlier instructions of the Minister and it was pointed out to them that some of the latest editions of the newsreels did not follow the approach which I had suggested.

The hon. House will kindly recall that the event took place on 8th March and the news reel was in circulation since the 14th of March. Naturally, by this time, it had lost its relevance and news value.

There was only one slight confusion. While instructions were given that all the newsreels should be withdrawn according to the statement made by him—subject to my verification only one item was attended to.

This is not the correct approach. The correct approach is that we should see to it that the news reel and the news items are these which are not stale but which have news value. I have nothing more to add excepting that my hon. friend must keep in mind the fact that there was no other intention. He should have appreciated the fact that we include only those news in the news reels and they have been circulated. They were there for three weeks. It is not as if something wrong was done.

श्री कूल चन्द वर्मा (उज्जैन): अध्यक्ष जी, आस्ट्रेलिया की जो महिला क्रिकेट टीम आई थी, उस के टेस्ट मैच का चित्र उस में रहने दिया गया है, जो कि इस 6 मार्च के आयोजन के पहले का है, उस का नहीं काटा गया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय का यह बयान संतोषजनक नहीं है। मंत्री महोदय लिपा-पोती कर रहे हैं यदि ताजे समाचार की बात है तो जिनकी मार्च नहीं देखा है उनको डाक्यूमेंट्री में दिखाने में क्या कठिनाई थी।

श्री आई० के० गुजराल : वह डाक्यू-मेंट्री नहीं है, वह न्यूज-रील है। न्यूज-रील और डाक्यूमेंट्री में फर्क होता है—इस बात को आप मानेंगे जिस चीज की न्यूज-वैल्यू नहीं रहती है उस को दिखाने में क्या लाभ है। जैसे यूगोस्लाविया के वाइस-प्रेसिडेंट भाये या जैसे आप का अधिबेशन हुआ था वे भी वह उसमें है, लेकिन उन की न्यूज-वैल्यू नहीं है.....

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या वह भी निकाल दिया है ?

श्री आई० के० गुजराल : नहीं, वह दिखाया जा रही है आप इस के लिये मुक्तिवादा कर लेंगे लेकिन वैसिक बात यह है कि न्यूज-रील की न्यूज वैल्यू होनी चाहिये जिन देशों में न्यूज-रील दिखाई जाती है, वहाँ दो तीन दिनों में लोगों के सामने आ जाती है, इस लिये उन का रेलीवेस रहता है। लेकिन हमारे यहाँ दो तीन महीने पुगानो दिखाई जाय तो उस का रेलीवेस नहीं होता है। इसी लिए हमने पालीसी बदलने के लिये कहा था कि वे न्यूज न दिखाई जाय जिनकी डेटेड वैल्यू नहीं है।

कई ऐसे मामले हैं—जैसे एश्रीकल्बर है, एजूकेशन है, या पोलिटिक्स के मुताबिक जिनकी डेटेड वैल्यू न हो उनको न रखा जाए। ऐसी सभी न्यूज को न रखा जाय ऐसी बात नहीं है किसी एक या दो को न रखा जाय।

MR. SPEAKER: This will not go on record. I have not called him.

आप बिना इजाजत के खड़े हो जाते हैं।

डा० लक्ष्मीनारायण पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, इस पत्र से स्पष्ट है कि यह रील 6-4-75 से दिखाई जाने वाली थी, जब कि मंत्री महोदय कह रहे थे कि महीना भर पहले से दिखाई जा रही है।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने 6 अप्रैल के लिये ही कहा था।

श्री शरद यादव (जबलपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैंने इस न्यूज रील को देखा है। मुझे एक सिनेमाघर के मालिक ने बताया कि इस फिल्म में से उस भाग को काट कर निकाला जा रहा है। इसको निकालने से दो बातें स्पष्ट होती हैं—इस सरकार का, कांग्रेस सरकार का जय प्रकाश जी के साथ मतभेद नहीं है, बल्कि अब तो मतभेद हो गया है। उनके साथ जो सुलूक चल रहा है

[श्री सरदार बालू] ... वह बल बंद हो जाना पड़ा है। जो बीजों पर उतार कर बिना के निकाला गया है, उसके साथ-साथ ही होता है कि जिन जगहों की जलपान की नहीं दिखाना चाहते हैं, यहाँ तक कि वह जल किसमें आप को भी आपन दिया गया था, वह भी निकाल दिया गया है इसलिये मैं चाहता हूँ कि सरकार यह बात स्पष्ट करे कि वह रील विकसित कर क्यों बाहर की? और बिना अधिकारी की माली से होता हुआ उसके खिलाफ अभी तक क्या कार्यवाही हुई, या सागे कोई कार्यवाही उसके खिलाफ आप करेंगे, यह मैं जानना चाहता हूँ।

श्री आर० के० गुजराल : बुनियादी बात यह नहीं है कि वह फिल्म कब दिखाई जाएगी और कब नहीं दिखाई गई। सवाल यह है कि वह फिल्म उम बक्त के लिये भी जिन बक्त कि उस की न्यूज वैल्यू थी। और वह वैल्यू तीन, चार सप्ताह बाद नहीं रहती है। एक दिन पुरानी खबर दूसरे दिन पडी नहीं जाती है, और 3, 4 दिन बाद उसकी कोई वैल्यू ही नहीं है। स्टेल न्यूज की कोई वैल्यू नहीं है। माली यह हुई कि सारी न्यूज रील को विद्वान नहीं किया गया जब कि इन्टरनेशनल सारी की सारी न्यूज रील को विद्वान करने के थे।

श्री सरदार बालू : उस अधिकारी के खिलाफ आप ने कोई कार्यवाही क्यों नहीं की ?

SHRI I. K. GUJRAL: My hon. friend is new. But, he is very intelligent. Let him also understand that we also understand things. The main point is that, instructions were that only news reels which do not have relevance, in the news value sense, should be withdrawn. If we had any motive, naturally, we would not have continued with the showing of the Jan Sangh Session. They did not withdraw according to the instructions. The instructions were to withdraw the whole thing.

MR. SPEAKER: We will now take up discussion on the Demand for Grants in respect of the Ministry of Agriculture and Irrigation.

RE. CLOSURE OF INDUSTRIES IN KANPUR DUE TO POWER SHORT-AGE

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): Sir, I want to make a submission.

MR. SPEAKER: Not now.

SHRI S. M. BANERJEE: Sir, you asked me to make it afterwards.

MR. SPEAKER: Don't do it every time.

13.32 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair].

SHRI S. M. BANERJEE: Mr. Deputy-speaker, Sir, I am raising a very serious matter. You are aware that from today, for eight days, in Kanpur, all the industries have been closed because of lack of power. Sir, because of this, more than one lakh of industrial workers are on the streets. Sir, this concerns the Central Government and they should supply power to the State Government. There is power shortage there. That is why this situation has arisen. All the industrial units have been closed. This has resulted in an extra-ordinary situation. I would request you ask the Minister to make a statement.

13.33 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1975-76—
contd.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Narwarial Patel. I have a letter from your chief Whip again reiterating his request that Members of the Congress Party may not be given more than ten minutes in view of the fact that there is a large number of Members who want to speak. This is the only thing I wanted to bring to your notice.